अध्ययन परिषद (उर्दू) का कार्यवृत्त

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी में दिनांक 17-06 -2014 को उर्दू विषय की अध्ययन परिषद की एक बैठक आयोजित की गई जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित हुए –

1. प्रो0 एच0पी0 शुक्ल – निदेशक, मानविकी विद्याशाखा, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय, (अध्यक्ष)
2. प्रो0 तौकीर अहमद खॉ – पूर्व विभागाध्यक्ष,उर्दू विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालयअल, दिल्ली (सदस्य)
3. डॉ0 हसन अहमद निजामी - सेवा निवृत्त एसोसिएट प्रोफेसर, मियां घेर खॉ, डिग्री कॉलेज रोड, रामपुर (सदस्य)
4. डॉ0 अख्तर अली – अकादमिक एसोसिएट व समन्वयक, उर्दू विभाग, उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय (समन्वयक)

बैठक में अग्रांकित निर्णय लिए गये –

1. स्नातक समस्त एवं स्नातकोत्तर समस्त से सम्बन्धित पूर्व में निर्मित प्रश्नपत्रों ,इकाईयों के शीर्षकों व संख्याओं में आवश्यक संशोधन एवं परिवर्धन कर नवीन पाठ्यक्रम की संस्तुति प्रदान की गई।
2. स्नातक पाठ्यक्रम में प्रतिवर्ष दो प्रश्न पत्र कुल तीन वर्षों में छ: प्रश्न पत्र तथा स्नातकोत्तर पाठ्यकम में दो वर्षों में नौ प्रश्न पत्रों के नाम व उनमें निर्मित खण्ड व इकाईयों तथा सभी के कोड भी अनुमोदित किए गए।
3. उक्त बैठक में इकाई लेखकों / प्राशिनकों / संपादकों तथा अन्य विशेषज्ञों की निर्मित व संलग्न सूची का अनुमोदन दिया गया तथा ये भी निर्णय लिया गया कि आवश्यकतानुसार उक्त सूची के अतिरिक्त अन्य नामों का समायोजन भी विभागीय स्तर पर किया जा सकेगा।
4. बी0ए0 उर्दू में एकल विषय के साथ प्रवेश हेतु अर्हता एवं अन्य का संचालन विश्वविद्यालय के नियमानुसार किया जायेगा तथा स्नातक स्तर की अध्ययन सामग्री का ही प्रयोग बी0ए0 उर्दू (एकल विषय) में भी किया जायेगा ।
5. बी0ए0 उर्दू विषय के साथ विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित वांछित योग्यता के अतिरिक्त प्रवेश हेतु शासन द्वारा संचालित अरबी फारसी बोर्ड की परीक्षा 'आलिम' तथा जामिया उर्दू अलीगढ़ द्वारा संचालित परीक्षा 'अदीब-ए- माहिर' को केवल प्रवेश हेतु अर्ह माना गया।
6. एम0 ए0 उर्दू में प्रवेश हेतु स्नातक परीक्षा के अतिरिक्त शासन द्वारा संचालित अरबी फारसी बोर्ड की परीक्षा 'कामिल/फाजिल' तथा जामिया उर्दू अलीगढ़ द्वारा संचालित परीक्षा 'अदीब कामिल' को केवल प्रवेश हेतु अर्ह माना गया।
7. "उर्दू प्रमाण पत्र कोर्स" में पर्याप्त छात्र संख्या न मिलने के कारण इस कोर्स को वर्तमान समय में स्थगित/बंद किये जाने तथा यदि भविष्य में आवश्यकता हो तो इसको पुनः प्रारम्भ किये जाने का निर्णय लिया गया।

8. विश्वविद्यालय यदि चाहे तो "जर्नलिज्म& मास मीडिया इन उर्दू" सहित अन्य छात्र उपयोगी उर्दू पाठ्यक्रमों को सुविधानुसार प्रारम्भ कर सकता है। प्रारम्भ किये गए पाठ्यक्रम की सूचना अध्ययन परिषद की अगली बैठक में दी जा सकती है।

9. अध्ययन परिषद की बैठक में समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि पाठ्यक्रम संचालक (कार्यरत शिक्षक/ समिति के समन्वयक) एवं समिति के अध्यक्ष को अधिकृत किया जाता है कि वह शैक्षिक हित को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए आवश्यकतानुसार निर्णय ले सकते है। तथा इस प्रकार लिये गये निर्णय एवं किए गये संशोधनों को अध्ययन परिषद की अगली बैठक में सूचनार्थ प्रस्तुत किया जायेगा।

बैठक में उपरोक्त प्रस्ताव सर्वसम्मति के साथ पारित किये गये तथा समन्वयक द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ अध्यक्ष की अनुमति से बैठक की समाप्ति की गई।

प्रो0 एच0पी0 शुक्ल

प्रो0 तौकीर अहमद खॉं 17.6.2014

डॉ0 हसन अहमद निजामी 17/6/14

डॉ अख्तर अली 17.6.14